त्रिधारा

काव्य संग्रह

निर्मलचन्द निर्मल

त्रिधारा

काव्य संग्रह

निर्मलचन्द निर्मल

© लेखकाधीन

प्रथम संस्करण
वर्ष - 2016

ISBN-978-93-80296-41-8

सहयोग राशि - 190/-

प्रकाशक
अमन प्रकाशन,
नमक मंडी, कटरा बाजार, सागर 470002 (म.प्र.)
मोबा. - 9826434225,
दूरभाष - 07582-406929

अक्षर संयोजन
एक्टिव कम्प्यूटर्स, सागर
नमक मंडी, कटरा बाजार, सागर 470002 (म.प्र.)

विशेष सहयोगी
श्यामलम् सागर

सूची

1. निर्मलचन्द निर्मल, रचना को समर्पित अर्धशती 'त्रिधारा' - डॉ. सुरेश आचार्य
2. सोरठा और गीतों के कवच और कुण्डलिया के कुण्डल - श्री टीकाराम त्रिपाठी
3. मेरी कलम से - निर्मलचन्द निर्मल

शीर्षक *पृष्ठ क्र.*

कुण्डलिया-खण्ड **01**

1. घर परिवार-व्यवहार जगत 04
2. सागर नगर : एक चिंतन 10
3. साहित्य सागर 12
4. जल महत्व 14
5. शब्दायन 17
6. धर्म धारणा 20
7. नीतिगत 23
8. खुशहाली 25
9. समझ के दायरे 27
10. एक सन्तुलन 29
11. नीतिपरक 31
12. आस्था के आयाम 36
13. काव्य साहित्य 39
14. स्थाई वियोग 41
15. तू भी मिट्टी 42
16. राजनीति की कक्षायें पूर्वार्द्ध 45
17. राजनीति की कक्षायें परार्द्ध 51

सोरठा खण्ड **55**

18. बेटी 58
19. जलराशि 60
20. धर्म 62
21. अवधारणा 64

22. शुद्ध सोच 66
23. बाल्य-अवस्था 71
24. दीपावली ऐसी हो 72
25. हमारी व्यवस्था 74
26. जन यथार्थ पूर्वार्द्ध 77
27. जन यथार्थ परार्द्ध 79
28. एक विचारणा 81
29. ऐसे भी कुछ लोग 84
30. एक और दीवाली 85

गीत खण्ड 87

31. गीत वह उपचार है 90
32. गीत लिखना साधना है 92
33. हर जगह जश्ने तराना पंख फैलाता नहीं 94
34. प्रेम नहीं शब्दों का कायल 96
35. ये तूफां आसान नहीं है 98
36. नेह के हम-तुम चितेरे 100
37. घसियारिन और उसका बेटा 102
38. साधना भी वही है वही चाह है 104
39. ये जलसे 105
40. किससे कौन कहे 107
41. स्मृतियों की धाक 109
42. विगत-सुधियों में 111
43. हर माल बिकाऊ है 113
44. रिश्ते सभी दर्द के हैं 115
45. नाविक नाव चलेगी कैसे 117
46. सूरज पहरेदार हुआ है 118
47. शासन तुम्हारे नाम है 119
48. हम अपने ही देश में 121
49. हमारे आदर्श गाँव 123
50. मामा की घर देहरी 125
51. कुछ तो है जो समझ में आता नहीं है 126

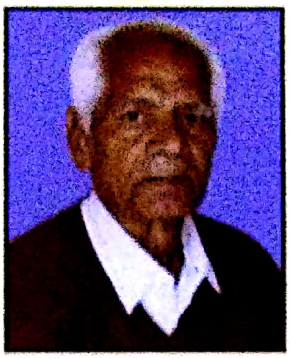

निर्मल चन्द निर्मल

पूर्व प्रकाशित कृतियाँ - सोलह हैं, यथा

(1) उठाओ कुदाली
(2) और कुछ नहीं हुआ
(3) गीत वही लिख पाता है
(4) गीत है ये जिन्दगी
(5) कुछ ऐसे लोग हुआ करते
(6) याद नहीं बिसरी
(7) जुगनुओं के पास भी ईमान है
(8) पसीना बोलता है
(9) गुड़िया पूछ रही मम्मी से
(10) प्रेमरूपी रंग कितने
(11) द्रवणांक
(12) आगे कौन बढ़े
(13) प्रीत के सुख-दुख घनेरे
(14) मील के पत्थर नहीं कोई
(15) एक पहर दिनमान शेष है
(16) निर्मल सतसई।

पत्रिकाओं में प्रकाशन - मुम्बई, हैदराबाद, भोपाल, कानपुर, झाँसी, जबलपुर, उज्जैन, बेलूर, देहरादून, बुरहानपुर, पटना आदि से निकलने वाली पत्रिकाओं में रचनायें प्रकाशित होती रहती हैं।

संबद्धता - हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रगतिशील लेखक संघ, हिन्दी उर्दू मजलिस और श्यामलम साहित्यिक सांस्कृतिक संस्थाओं से संबद्ध।

विशेष - टी.व्ही. और आकाशवाणी से हिन्दी और बुन्देली रचनाओं के काव्य पाठ होते रहते हैं। देश में मुझे जो साहित्यिक सम्मान मिले उनकी संख्या सहस्र से ऊपर है।

निवास - 89 बी, मधुवन ग्रीन्स, तिली वार्ड, सागर (म.प्र.) 470002
मो. 9993949714

ISBN-978-93-80296-41-8

अमन प्रकाशन
कटरा, नमक मण्डी, सागर (म.प्र.)
9826434225